Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

18

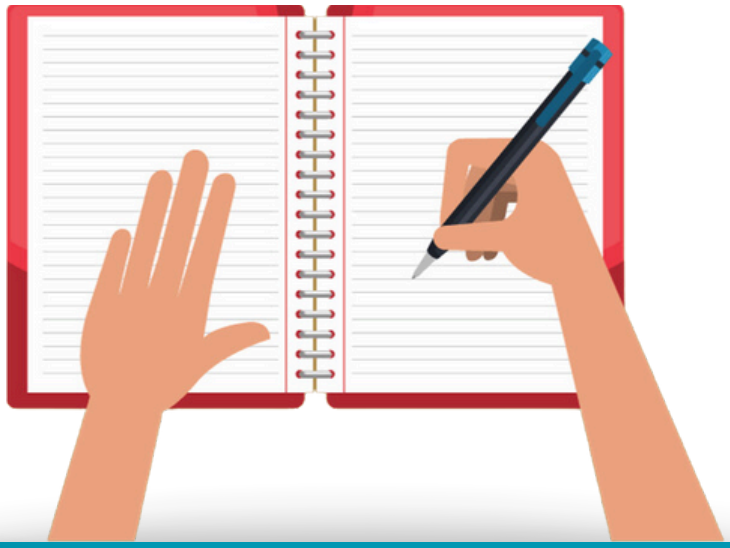

आदि महोत्सव - 2025

राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव आदि महोत्सव का उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 16 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में किया।

यह महोत्सव जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है। भारत की समृद्ध जनजातीय धरोहर संस्कृति और परंपराओं का उत्सव है।

- यह कार्यक्रम 16 से 24 फरवरी 2025 तक नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हो रहा है।

- यह महोत्सव जनजातीय उद्यमियों, कारीगरों और कलाकारों को व्यापक बाजार के साथ जोड़ने का एक मंच प्रदान करता है।

जनजातीय विकास के लिए सरकारी पहल

(i) जनजातीय कल्याण बजट में पाँच गुना वृद्धि

(ii) शिक्षा और रोजगार

(iii) एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल

(iv) सिकलसेल शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सुधार

(v) राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य मिशन

18/Feb/2025/P1

ज्वालामुखी माउंट एटना : चर्चा में

भारत और जापान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्जियन का छठवाँ संस्करण का आयोजन 25 फरवरी से 9 मार्च तक जापान के माउंट फुजी में आयोजित किया जा रहा है .

- यह एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किये जाने वाले सैन्य अभ्यासों में शामिल है

- अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में महत्वपूर्ण और सार्थक प्रशिक्षण प्रदान करना है

10Feb|22

आठवां हिंद महासागर सम्मेलन

तारीख - 16-17 फरवरी 2025

स्थान - मस्कट ओमान

आयोजक - इंडिया फाउंडेशन, ओमान के विदेश मंत्रालय के सहयोग से

विषय - समुद्री साझेदारी के नए क्षितिज की यात्राएँ

यह सम्मेलन हिन्द महासागरीय क्षेत्रीय देशों के बीच समुद्री साझेदारी और सहयोग को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच है

मुख्य वक्ता

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची

18/Feb/P3

वीर बुधु भगत - प्रमुख व्यक्तित्व

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सन् 1857 के बाद कई वीर शहीदों का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया लेकिन 1857 से पहले और बाद में आदिवासी समुदायों के वीरों के अधिकांश नाम इतिहास के पन्नों में खो गए।

छोटानागपुर (वर्तमान झारखंड और पश्चिम बंगाल) का इतिहास भी ऐसे ही वीरों से भरा हुआ है जिन्होंने अपने समाज और देश के लिए जान की कुर्बानी दी।

जन्म - 17 फरवरी 1792 को राँची जिले में उरांव आदिवासी परिवार में

- 1831-1832 तक कोल विद्रोह में भूमिका

18 feb | P4

वासुदेव बलवंत फड़के - प्रमुख व्यक्तित्व

- जन्म- 4 नवंबर 1845 शिरढों (वर्तमान महाराष्ट्र)
- ये बलवंतराव और सरस्वतीबाई के पुत्र थे उनके दादा जी अनंतराव कनाला किले के कमांडर थे।
- 1862 में मुंबई विद्यापीठ से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की।
- दादाभाई नौरोजी और महादेव गोविंद रानाडे जैसे व्यक्तित्व से प्रभावित
- 1879 में क्रांतिकारी सेना का गठन
- 1883 में निधन

18/Feb/P5